RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार, 26 अक्टूबर 2022 वर्ष 04 अंक 163 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

कांग्रेस की भारत जोड़ो
यात्रा में शामिल होगी NCP और उद्धव सेना...

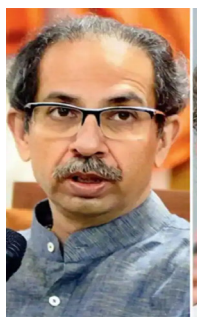

2024 तक टिकी रहेगी MVA की एकता?

मुंबई : कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 7 नवंबर को महाराष्ट्र में प्रवेश करने के बाद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता शरद पवार और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी मार्च में भाग लेने वालों में शामिल होंगे। कांग्रेस के महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के सहयोगियों का निर्णय राज्य की राजनीति में अपनी स्थिति को मजबूत करने और एक संयुक्त मोर्चा पेश करने के गठबंधन के प्रयासों से जुड़ा हुआ है, जब वे सत्ता से बाहर हैं और अगले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण चुनावों का सामना कर रहे हैं, जिसमें 2024 में आम और विधानसभा चुनाव शामिल हैं।

अपने फैसले के बारे में पूछे जाने पर, पवार ने कहा, ''हम मानते हैं कि भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस द्वारा शुरू किया गया एक कार्यक्रम है। यह समाज में सामाजिक समरसता बहाल करने के लिए काम करने की एक पहल है। यह एक अच्छा कदम है। हालांकि हम एक अलग पार्टी से ताल्लुक रखते हैं, लेकिन हममें से कुछ लोग जहां भी संभव हो इसमें शामिल होंगे।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 7 नवंबर को महाराष्ट्र में प्रवेश करने के बाद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता शरद पवार और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी मार्च में भाग लेने वालों में शामिल होंगे। कांग्रेस के महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के सहयोगियों का निर्णय राज्य की राजनीति में अपनी स्थिति को मजबूत करने और एक संयुक्त मोर्चा पेश करने के गठबंधन के प्रयासों से जुड़ा हुआ है, जब वे सत्ता से बाहर हैं और अगले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण चुनावों का सामना कर रहे हैं, जिसमें 2024 में आम और विधानसभा चुनाव शामिल हैं। अपने फैसले के बारे में पूछे जाने पर, पवार ने कहा, ''हम मानते हैं कि भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस द्वारा शुरू किया गया एक कार्यक्रम है। यह समाज में सामाजिक समरसता बहाल करने के लिए काम करने की एक पहल है। हालांकि हम एक अलग पार्टी से ताल्लुक रखते हैं, लेकिन हममें से कुछ लोग जहां भी संभव हो इसमें शामिल होंगे।

यात्रा 7 नवंबर को नांदेड़ जिले में महाराष्ट्र में प्रवेश करेगी और अगले पखवाड़े में हिंगोली, वाशिम और बुलढाणा जिलों से होते हुए 382 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। दो रैलियां निर्धारित हैं, एक नांदेड़ में और दूसरी शेगांव, बुलढाणा में होगी।

फुटपाथों को खोजकर
ठीक करेगी बीएमसी
मुंबई में 2,000 किलोमीटर से ज्यादा लंबी सड़कों का जाल है...!

मुंबई : मुंबई में 2,000 किलोमीटर से ज्यादा लंबी सड़कों का जाल है, जिसमें 1,800 किमी लंबा फुटपाथ है। उखड़े पेवर ब्लॉक, गड्ढे और टूटे फुटपाथ मुंबई में जगह-जगह दिखाई देंगे। जिस पर लोगों का चलना मुश्किल है। कुछ सड़कों के फुटपाथ गायब हो गए हैं। मुंबई के फुटपाथों की स्थिति क्या है? कहां टूटे हैं, कहां खराब हैं और कहां गायब हो गए हैं? फुटपाथों की स्थिति जानने और उसका पता लगाने के लिए बीएमसी यूनीक जीआईएस मैपिंग सिस्टम का इस्तेमाल करेगी। खराब हुए फुटपाथ के बारे में जानकारी हासिल कर उसका सौंदर्यीकरण किया जाएगा। 16 सितंबर को बीएमसी ने मुंबई के सौंदर्यीकरण योजना की घोषणा की है। 3 महीने के भीतर मुंबई में सौंदर्यीकरण की योजना बनाई है। इसी योजना के तहत मुंबई में फुटपाथों के मिसिंग लिंक का पता लगाने के लिए एक सर्वे शुरू किया है। बीएमसी ने इस परियोजना के लिए 1,700 करोड़ रुपये का बजट रखा है। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि फुटपाथों का सुधार सौंदर्यीकरण प्रॉजेक्ट के प्रमुख अजेंडे में शामिल है। फुटपाथों को पैदल यात्रियों के लिए बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस प्रक्रिया के तहत बीएमसी एक यूनीक जीआईएस मैपिंग सिस्टम का इस्तेमाल करके मुंबई के फुटपाथ नेटवर्क का एक वर्चुअल एल्बम तैयार किया जाएगा, जिसके बाद वह लापता फुटपाथों का पता लगाने के लिए वास्तविक जमीनी स्थिति के साथ इस नक्शे का मिलान करेगी।

नवनीत राणा पर फर्जी सर्टिफिकेट
केस में गैर जमानती वारंट जारी!

मुंबई : फर्जी सर्टिफिकेट मामले में शिवड़ी कोर्ट ने अमरावती की सांसद नवनीत राणा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने मुलुंड पुलिस को आदेश देकर इस वारंट पर अमल करने के आदेश दिए हैं, जिसकी वजह से दिवाली के मौके पर नवनीत राणा पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। सांसद नवनीत राणा पर आरोप है कि उन्होंने अपने चुनावी हलफनामे में जो जाति का प्रमाणपत्र जोड़ा, वो फर्जी है। इस मामले में शिवसेना के पूर्व सांसद आनंदराव अडसूल और सुनील भालेराव मुंबई हाई कोर्ट का दरवाजा पहले ही खटखटा चुके हैं। इस मामले में सुनवाई के दौरान साल २०२१ में हाई कोर्ट ने नवनीत राणा के जाति प्रमाण पत्र को रद्द कर दिया था। इसके चलते उनकी लोकसभा की सदस्यता खतरे में आ गई। हालांकि मुंबई हाई कोर्ट के फैसले को नवनीत राणा ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने के बाद फिलहाल हाई कोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा रखी है, वहीं सांसद नवनीत राणा के परिजनों पर भी फर्जी जाति प्रमाणपत्र मामले में गंभीर आरोप लगे हैं। नवनीत के पिता पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी जाति प्रमाणपत्र हासिल करने के लिए स्कूल के एडमिशन के भी झूठे दस्तावेज बनवाए। मुंबई के शिवड़ी कोर्ट द्वारा जारी किए गए गैर जमानती वारंट पर पुलिस क्या एक्शन लेती है?

मुंबई/ सरकार के खाते में जनता के नाम पर पहुंचे 600 करोड़!
तरसते रहे लोग, नहीं मिली दिवाली किट...

मुंबई : दिवाली के मौके पर महाराष्ट्र सरकार ने महाराष्ट्र में गरीब तबके के लोगों को दिवाली किट देने की घोषणा की थी. इसमें 100 रुपये में लोगों को राशन की दुकान से किट मिलना था. दिवाली बीत गई लेकिन ये किट मुंबई के तमाम सरकारी राशन की दुकानों पर अब तक नही पहुंची पाई. अंधेरी की सरकारी राशन की दुकान से यह सरकारी किट नदारद थी. लोगों का कहना है कि अब दिवाली बीत गई तो ऐसे में इस किट का क्या फायदा? दुकानदारों का कहना है कि जब किट नहीं पहुंची तो हम लोगों को कहां से दें? लोग राशन की दुकानों पर आकर पूछ रहे हैं और हम बताते बताते थक गए हैं. वहीं, अंधेरी विधानसभा में राशन के दुकानदारों का कहना है कि यहां पर 3 तारीख को विधानसभा की एक सीट का उप चुनाव होना है, लोगों में चर्चा है कि शायद आचार संहिता लगी होने की वजह से दिवाली किट नहीं मिल रही है. लेकिन राशन विभाग की तरफ से उन्हें ऐसी कोई सूचना नहीं मिली सिर्फ ये सुनी सुनाई बात है. गोरेगांव में सरकारी राशन की दुकान चलाने वाले दीपक गुप्ता ने कहा, दिवाली के बाद भी अब तक दिवाली किट हमें नहीं मिली है, किट का दोनों सामान अब तक नहीं मिला है. एक स्थानीय निवासियों के मुताबिक सरकार सिर्फ लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है, उम्मीदे बंधा रही है. जब समय पर देना ही नहीं था तो दिवाली के त्योहार पर गरीबों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया. हमारी उम्मीदे क्यों तोड़ी जा रही हैं.

महाराष्ट्र में दिवाली किट का रियलटी चेक किया था तब भी उसमें महाराष्ट्र सरकार फेल नजर आई थी. जब महाराष्ट्र के सिविल सप्लाई मंत्री रवींद्र चव्हाण से इस मुद्दे पर उस समय सवाल किया गया था तब उन्होंने वादा किया था की दिवाली तक सबके पास दीवाली किट पहुंच जाएगी.

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

रिश्तों का उजाला...!

इस बार उल्लास से यह दीपोत्सव हम ऐसे वक्त में मना रहे हैं जब देश महामारी के तमस से मुक्त हुआ है। एक सदी बाद आई महामारी ने बीते दो सालों में हमारे रिश्तों व आर्थिकी को ऐसे जख्म दिये कि पर्व-त्योहार बेमाने हो गये थे। अब फिर त्योहार अपनी रंगत में लौटे हैं। एक बार फिर बाजार उफान पर है। कामगार से लेकर काश्तकार तक के घर समृद्धि दस्तक दे रही है। यही पर्व का मर्म भी है। सही मायनों में हमारे पर्व-त्योहार समतामूलक सोच का पोषण करते हैं। सच्चे अर्थों में समाजवाद का प्रतिबिंब नजर आता है। कुम्हार के घर भी उजाला है तो फूल विक्रेता के घर भी। मिठाई वाले के भी तो खील-बताशे वाले के भी। पर्व का यही मंत्र मंदी से गुजरती वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को उछाल दे जायेगा। सामाजिक दृष्टि से भी देखें तो यह पर्व हमारे रिश्तों को सींचता है। इसका महात्म्य हमने तब महसूस किया जब कोरोना काल में हमारे चेहरे ढके होते थे और हाथ मिलाना और गले मिलना तो दूर, हम दो गज की सुरक्षित दूरी रखने को अभिशप्त थे। दरअसल, ये स्थितियां हमारी पर्व परंपरा के बिल्कुल उलट थीं। सही मायनों में सामाजिकता के संदेश के ठीक विपरीत। जीवन था लेकिन उसमें जीवंतता नहीं थी। कुछ को अपनों को खोने का दुख था तो कुछ को महामारी का अज्ञात भय। बहरहाल, वह एक दु:स्वप्न सरीखा था। ईश्वर न करे हमें फिर कभी ऐसे दौर से गुजरना पड़े। लेकिन हमें उसके सबक याद रखने हैं। यही जीवंत जीवन का दस्तूर भी है।

सही मायनों में हमारे पर्व समाज का सेफ्टीवॉल ही हैं। जीवन के तनाव, कुंठा व एकरसता को तोड़कर ज़िंदगी में सहजता का संचार करने वाले। संयुक्त परिवारों के बिखराव से एकाकी परिवारों में तब्दील होते समाज ने कई तरह की विसंगतियां हमारे जीवन में भर दी हैं। आपाधापी का जीवन और बड़े सपनों को हासिल करने को जारी जद्दोजहद के बीच हम भूल जाते हैं कि स्वाभाविक जीवन क्या होता है। जब दीपावली का पर्व आता है तो कुदरत भी हमारे वातावरण में मनोहारी बदलाव कर देती है। बरसात की मुश्किलों से उबरने के बाद ठंड की दस्तक होती है। गुनगुनी धूप के बीच खूब खाने-पीने के दिन। इसकी शुरूआत दिवाली से होती है। यह पर्व ऐसे मायने लिए हुए है कि रोशनी को कोई दीवार न रोक सके। हमारे घर का उजाला पड़ोसी के घर भी दिखे। उस व्यक्ति के घर भी जिसके उजाले के मार्ग में कई बाधाएं हैं। निस्संदेह, वक्त के साथ ही बाजार इस त्योहार पर हावी हो गया है। कहीं त्योहार निहित स्वार्थों को साधने का प्रतीक बन गया है। लेकिन आम लोगों में यह त्योहार आज भी सामाजिक मेलजोल और रिश्तों को उजाले से संवारने का पर्व है। गांव-देहात, कस्बों व छोटे शहरों में सामाजिक रिश्तों में आत्मीयता किसी हद तक आज भी विद्यमान है। शहरों के एकांगी जीवन में यह त्योहार ताजी हवा के झोंके जैसा आता है। निस्संदेह यह रिश्तों को नये सिरे से सींचने का पर्व है।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

शिंदे-फडणवीस को लेकर शख्स ने किया आपत्तिजनक ट्वीट,

मुंबई पुलिस ने दर्ज किया केस

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके डिप्टी देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने और झूठे आरोप लगाने के आरोप में मुंबई में एक व्यक्ति पर मामला दर्ज किया गया है। मुंबई पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आरोपी को इसी साल की शुरूआत में महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए गिरफ्तार किया गया था।

मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी प्रदीप भालेकर मलाड (पूर्व) का रहने वाला है। रविवार तड़के भालेकर ने हाईकोर्ट को संबोधित करते हुए अपने ट्विटर हैंडल पर दो पन्नों का पत्र पोस्ट किया। आरोप है कि भालेकर ने शिंदे और फडणवीस के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की और उन पर आरोप लगाया। आरोपी ने कहा कि उसे झूठे मामलो में फंसाया जा रहा हैं और उसे दोनों नेताओं के खिलाफ बोलने पर मुठभेड़ की धमकी मिली है।

सोशल मीडिया पर नजर रखने के दौरान साइबर पुलिस स्टेशन (उत्तरी क्षेत्र) के एक पुलिस अधिकारी की नजर प्रदीप भालेकर के ट्वीट्स पर पड़ी। इसके बाद समता नगर पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई। समता नगर पुलिस स्टेशन के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि भालेकर मामले में वांछित है। अगस्त में क्राइम ब्रांच ने भालेकर को महाराष्ट्र के राज्यपाल कोश्यारी के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से विवादित सामग्री पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

एक लाख की रिश्वत लेते महावितरण का अधिकारी गिरफ्तार...!

पालघर: पालघर वाडा तालुका के वितरण विभाग के उप कार्यकारी अभियंता ज्ञानेश्वर वट्टमवार को भ्रष्टाचार निरोधक विभाग ने एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। विभाग की पालघर टीम ने यह कार्रवाई की। वट्टमवार ने शिकायतकर्ता से बिल को मंजूरी देने के लिए एक लाख रुपये की रिश्वत की मांग की, शिकायतकर्ता ने पालघर के रिश्वत रोकथाम विभाग में शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता द्वारा की गई शिकायत के अनुसार मामले की जांच के बाद तथ्य सामने आए हैं। उसके बाद पालघर के पुलिस उपाधीक्षक नवनाथ जगताप, पुलिस निरीक्षक स्वप्नन विश्वास की टीम ने जाल बिछाया।

तेंदुए ने कर दिया हमला, मौत

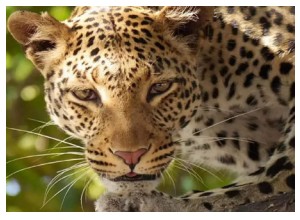

मुंबई : गोरेगांव की आरे कॉलोनी के जंगली इलाके में सोमवार को एक तेंदुए ने डेढ़ साल की मासूम को अपना शिकार बना दिया। पुलिस के मुताबिक घटना करीब सुबह साढ़े छह बजे हुई। आरे पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना आरे के इकाई संख्या-15 में तब हुई, जब बच्ची अपनी मां का पीछा कर रही थी। बच्ची की मां अपने घर से करीब तीस फुट की दूरी पर स्थित मंदिर दर्शन करने जा रही थी। तभी तेंदुए ने बच्ची पर हमला कर उसे घायल कर दिया। उन्होंने बताया, इसके बाद बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि प्राथमिक सूचना के आधार हमने मामले में एक आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की है। आगे जांच जारी है। एक अधिकारी ने बताया, इस बीच वन विभाग ने इलाके में जानवरों के हमलों को रोकने के लिए एक कार्ययोजना बनाई है। वन विभाग के रेस्किंक एसोसिएशन फॉर वाइल्डलाइफ वेल्फेयर की एक टीम को मदद के लिए बुलाया गया है।

अधिकारी ने बताया कि अधिकारियों ने क्षेत्र में मुंबई वन विभाग की एक वाइल्डलाइफ एम्बुलेंस, वन्यजीव संकट प्रतिक्रिया टीम और स्वयंसेवकों को तैनात किया है।

चर्चित फिशिंग पॉइंट वरली कोलीवाड़ा को अब मनपा निखारेगी

मुंबई : महानगर मुंबई का सबसे पुराना और चर्चित फिशिंग पॉइंट वरली कोलीवाड़ा को अब मनपा निखारेगी। बांद्रा-वरली सी लिंक से जाते समय लोगों को वरली कोलीवाड़ा का कबाड़ा दृश्य दिखाई देता है। लेकिन अब मनपा इसे ग्रीक के सुंदर द्वीप सेंटोरिनी की तर्ज पर चमकाएगी। वरली कोलीवाड़ा का चेहरा बदला जाएगा। यहां पर सुंदर चित्र, पेंटिंग किए जाएंगे। सफेद औरनीले रंग से मछुआरों की संस्कृति को संजोने का काम होगा। इसके लिए मनपा सीएसआर फंड का उपयोग करेगी। सहयोग के लिए सीएसआर फंड देनेवाली कंपनियों की तलाश जारी है। मनपा के एक अधिकारी के अनुसार सुंदर ग्रीक द्वीप सेंटोरिनी की तर्ज पर वरली को एक नया रूप दिया जाएगा। सेंटोरिनी में नीले दरवाजों और खिड़कियों के साथ सफेदी रंग वाले घरों के लिए जाना जाता है। यहां पर्यटकों की भीड़ लगती है। देखने में बेहद सुंदर लगनेवाले सेंटोरिनी की तरह वरली कोलीवाड़ा को सुशोभित कर पर्यटकों को आकर्षित किया जाएगा। सी लिंक से आते समय कोलीवाड़ा का रंगीन और आकर्षक चेहरा पर्यटकों को खूब भाएगा, इससे राजस्व में भी वृद्धि होगी। इसे अद्वितीय सौंदर्य दृश्य देने के साथ-साथ वरली किले का भी पुनरुत्थान किया जाएगा। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि इसका प्रस्ताव जल्द तैयार कर काम शुरू किया जाएगा। इसके अलावा वरली कोलीवाड़ा में दो प्रमुख सड़कों के साज सज्जे और साइनेज लगाने की भी योजना बना रहे हैं। गोलपा देवी रोड, जो वरली किला और वरास लेन तक जाती है, इसे चौड़ा भी किया जाएगा।

दिवाली के बाद हवा हुई जहरीली!

नई दिल्ली : सर्दियां आने के साथ, उत्तर भारत के शहरों को हर साल वायु प्रदूषण से निपटने की एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ता है। दिवाली के आसपास यह चुनौती और बड़ी हो जाती है। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च के अनुसार दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स (अदक) 323 (बहुत खराब) श्रेणी में है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में दिवाली

की रात पटाखों को लेकर कई उल्लंघन देखे गए, जबकि पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था और सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिबंधों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। लेकिन इसके बाद भी हवा दिल्ली की हवा दूषित हो रखी है। दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में भी वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है, 'प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है।' एक स्थानीय का कहना है, 'पिछले साल की तुलना में इस साल प्रदूषण कम है। पटाखे एक दिन के लिए जलाए जाते हैं लेकिन प्रदूषण पूरे साल बना रहता है।'

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार, 26 अक्टूबर 2022

पालघर में अब शुरू हुई अवैध हथियारों की धरपकड़...!

पिस्टल और 2 कारतूस बरामद, क्राइम ब्रांच ने महिला सहित 3 सप्लायर पकड़े

वसई : मीरा भाईंदर वसई विरार आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच यूनिट दो की टीम ने गुरुवार दोपहर वसई डिपो से महिला सहित 3 लोगों को गिरफ्तार कर 1 देशी पिस्टल व 2 कारतूस बरामद किए हैं। क्राइम ब्रांच यूनिट दो के सीनियर पी.आई शाहूराज रनवरे को गुप्त सूचना मिली कि वसई डिपो में कुछ लोग पिस्टल बेचने आने वाले हैं। जिसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने वसई डिपो में जाल बिछाकर शिवकुमार रमेश पोद्दार, गोपाल कुमार पोद्दार व उषा देवी उर्फ शोभा चैतूराम को हिरासत में लेकर उसके पास से 1 देशी पिस्टल व 2 कारतूस बरामद किए है।

रनवरे ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी शिव कुमार पोद्दार व गोपाल पोद्दार बिहार के रहने वाले है। दोनो वहां से पिस्टल लेकर यहां महिला आरोपी उषा देवी उर्फ शोभा चैतूराम की मदद से उसे एक लाख रुपये में बेचने आए थे। आरोपियों के खिलाफ मानिकपुर पुलिस थाने में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। आगे की तहकीकात पुलिस कर रही है।

आपस में भिड़े शिवसेना और शिंदे गुट, पुलिस ने कार्यालय किया सील

नासिक : नासिक में शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे और बालासाहेब का शिवसेना में विवाद है। ऐन दिवाली पर ट्रेड यूनियनों और दफ्तरों में जमकर बवाल हुआ। आखिरकार ठाकरे और शिंदे गुट के बीच विवाद के बाद नगर निगम कार्यालय को सील कर दिया गया है। दो दिन पहले ठाकरे समूह ने अचानक नासिक नगर पालिका में कर्मचारी संघ का कार्यालय संभाल लिया था। शिंदे समूह के नगर अध्यक्ष ने पुलिस से शिकायत की थी कि ठाकरे समूह का कब्जा अवैध है।

इसलिए पुलिस ने कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए कार्यालय को ही सील कर दिया है। शिवसेना प्रणीत नगर कार्यकर्ता सेना के अध्यक्ष प्रवीण थिडमे के शिंदे समूह में जाने के बाद, वास्तव में कार्यकर्ता सेना से कौन संबंधित है? इससे विवाद शुरू हो गया। टिडमे के शिंदे समूह में शामिल होने के बाद, ठाकरे समूह ने उन्हें निष्कासित कर दिया। उसके बाद ठाकरे समूह के महानगर प्रमुख सुधाकर बडगूजर ने कामगार सेना की बैठक बुलाई और खुद को कामगार सेना का अध्यक्ष घोषित कर दिया।

फिर, 2 दिन पहले, जब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नासिक के दौरे पर थे, तब बडगुजर ने नगर निगम में श्रमिक सेना का पद संभाला। हालांकि टिडमे ने इस पर आपत्ति जताते हुए सरकारवाड़ा थाने में सुधाकर बडगुजर समेत 150 लोगों के खिलाफ कार्यालय का ताला तोड़कर हिरासत में लेने, महत्वपूर्ण दस्तावेज व दस्तावेज गायब करने की शिकायत दर्ज कराई। इसलिए नाशक में इन दोनों गुटों के बीच विवाद दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है और नगर पालिका में नगर सेना कार्यालय पर कब्जा करने को लेकर शीत युद्ध शुरू हो गया है। दोनों समूहों ने वर्कर्स सेना के कार्यालय और वर्कर्स सेना के कार्यालय पर अपना दावा ठोक दिया है, और आगामी नगरपालिका चुनावों के मद्देनजर विवाद और तेज होने की संभावना है। इस बीच पुलिस ने इस कार्यालय को सील कर दिया है।

साकीनाका में प्लास्टिक गोदाम में आग लगी

मुंबई : मुंबई के साकीनाका इलाके के जंगलमंगल रोड पर स्थित प्लास्टिक गोदाम में मंगलवार सुबह तकरीबन साढ़े छह बजे आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकमल कर्मी आग बुझा रहे हैं। गोदाम में सुबह कोई नहीं था। स्थानीय नागरिकों ने आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड और साकीनाका पुलिस को दी। गोदाम में ज्वलनशील पदार्थ तथा प्लास्टिक होने से आग बढ़ गई है। इसलिए गोदाम के आसपास के क्षेत्र को खाली करवा दिया गया है। आग लगने के कारणों का पता नहीं लग सका है। साकीनाका पुलिस जांच कर रही है।

मुंबई HC ने रद्द की नाबालिग के खिलाफ दर्ज FIR, पुलिस को लगाई फटकार, 25 हजार जुमार्ना

मुंबई : मुंबई हाई कोर्ट ने एक हाउसिंग सोसाइटी में 62 वर्षीय महिला को घायल करने वाले नौ साल के साइकिल चालक के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है. साथ ही कोर्ट ने मुंबई पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी भी जताई. कोर्ट ने कहा कि यह हैरान करने वाली बात है कि पुलिस ने एक नाबालिग बच्चे के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी. उन्होंने कहा कि यह एक दुर्घटना के अलावा और कुछ नहीं था, यह स्पष्ट रूप से अनजाने में हुआ था.

इसके साथ ही हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को आठ हफ्ते के भीतर याचिकाकर्ता को 25,000 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है. वहीं यह धनराशि एफआईआर दर्ज करने वाले पुलिस अधिकारी से वसूलने का निर्देश भी दिया है. मुंबई हाईकोर्ट ने इस मामले में पुलिस की तरफ से दायर एक क्लोजर रिपोर्ट पर कोई उचित आदेश पारित नहीं करने के लिए डोंगरी मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत की भी खिंचाई की.

वनराई पुलिस स्टेशन में दर्ज FIR को चुनौती

दरअसल न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति श्रीम एम मोदक की पीठ ने 20 अक्टूबर को नाबालिग लड़के की मां की याचिका पर आदेश पारित किया, जिसने धारा 338 के तहत वनराई पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर को चुनौती दी थी. याचिका में इस केस की मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के सामने लंबित कार्यवाही को भी चुनौती दी गई है.

महिला को साइकिल से लगी थी टक्कर

शिकायतकर्ता के अनुसार, उसके माता-पिता 27 मार्च को शाम करीब 7.30 बजे सोसायटी बिल्डिंग के पोडियम पर गए थे. इसी दौरान साइकिल चला रहे 9 साल के नाबालिग लड़के ने उसकी मां को टक्कर मार दी, जिसमें उनको चोट लग गई थी. वहीं घटना के एक हफ्ते बाद 5 अप्रैल को मुकदमा दर्ज कराया गया था.

मीडिया कवरेज से नाबालिग को आघात

वहीं अधिवक्ता श्रवण गिरी ने सुनवाई के दौरान कहा कि नाबालिग लड़के के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती थी क्योंकि भारतीय दंड संहिता की धारा 83 में कहा गया था कि जो सात साल से अधिक और 12 साल से कम उम्र के बच्चे द्वारा किया जाता है, वो अपराध नहीं है. वकील ने कहा कि इस शिकायत पर पुलिस को कोई कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं थी. उन्होंने कहा कि मामले की मीडिया कवरेज से नाबालिग लड़के को आघात भी पहुंचा है.

पुलिस को कोर्ट की फटकार!

पुलिस अधिकारी ने कहा कि लड़के के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई और उसने प्राथमिकी के लिए बिना शर्त माफी मांगी. उन्होंने कहा कि एक क्लोजर-रिपोर्ट किशोर न्यायालय को प्रस्तुत की गई थी लेकिन कोई आदेश पारित नहीं हुआ. हालांकि इस पर कोर्ट ने कहा कि गलतफहमी या कानून की अनभिज्ञता एक पुलिस अधिकारी के लिए बहाना नहीं है.

जांच से पहले ही मजिस्ट्रेट कोर्ट में रिपोर्ट पेश

वहीं अतिरिक्त लोक अभियोजक जेपी याज्ञनिक ने कोर्ट को क्लोजर रिपोर्ट और रिपोर्ट दर्ज करने वाले सहायक पुलिस आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई के बारे में बताया. इस दौरान कोर्ट ने कहा कि ऐसा लगता है कि जांच से पहले ही, पुलिस ने मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट में सी-समरी रिपोर्ट दायर कर दी थी. कोर्ट ने पुलिस उप-निरीक्षक तानाजी संतू पाटिल के एक हलफनामे का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि एफआईआर कानून की गलत धारणा के कारण दर्ज की गई थी.

पालघर पुलिस ने किया 2 घंटे में अपहरण का खुलासा...

अपहरणकर्ता को गिरफ्तार कर बच्ची को परिजनों को सौंपा

पालघर : पालघर में पांच साल की बच्ची के अपहरण से हड़कंप मच गया है। हालांकि, पुलिस ने दो घंटे के भीतर बच्चे को ढूंढ निकाला और अपहरणकर्ता को गिरफ्तार कर बच्ची को बरामद कर लिया। बुधवार को विष्णुनगर इलाके में रहने वाली पांच साल की बच्ची को आरोपी सनी कांबले ने बहाने से घर से उठा लिया। लेकिन काफी देर बाद जब बच्ची घर नहीं आई तो उसके परिजन व रिश्तेदारों ने तलाश शुरू कर दी। अपहरणकर्ता सनी कांबले ने बच्ची के पिता को फोन किया और बच्ची को सुरक्षित वापस करने के लिए उससे एक लाख रुपये की फिरौती मांगी। जिसके बाद बच्ची की मां और परिजन पालघर थाने पहुंचे। मामले की शिकायत मिलते ही पुलिस उपाधीक्षक नीता पड़वी, पालघर के पुलिस निरीक्षक उमेश पाटिल ने तत्काल कई टीमें गठित

की जो बच्ची की तलाश में जुट गई। लेकिन अपहरणकर्ता परिजनों को फोन कर अपना ठिकाना बदलता रहा। इसी बीच पुलिस ने अपहरणकर्ता को केलवे से गिरफ्तार कर बच्ची को मुक्त करा लिया। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार, 26 अक्टूबर 2022

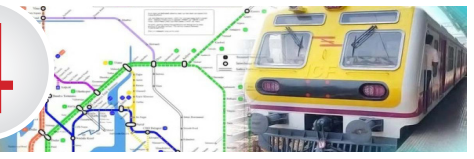

पुलिस की नींद उड़ाने वाला शातिर चोर गिरफ्तार, लाखों का माल बरामद

पालघर: नालासोपारा पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा की टीम ने सेंधमारी करने वाले एक एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर 7 लाख से अधिक का माल बरामद किया है। गुरुवार को एक अधिकारी मामले की जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी से पूछताछ के आधार पर चोरी के सात मामलो की गुत्थी सुलझाई गई है।

सलमा अब्दुल मेहतर (44) को अज्ञात बदमाश चाकू दिखाकर आभूषण व मोबाइल समेत कुल मिलाकर 10,750 रुपये का माल लूटकर फरार हो गए थे। पुलिस ने मामले में 19 वर्षीय शिफत हबीबुर शेख को गिरफ्तार कर जब पूछताछ की तो उसने नालासोपारा क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों में किए सात अपराधों को स्वीकार किया। आरोपी के पास से पुलिस ने 7,40,500 रुपये का माल जप्त किया है।

मुंबई और उपनगरों में ट्रैक पार करते समय 1,900 से ज्यादा लोगों ने गंवाई जान!

मुंबई : रेलवे की तमाम चेतावनियों के बावजुद मुंबई और उपनगरों में रेल पटरी पार करने का सिलसिला जारी है। रेलवे पुलिस के अनुसार वर्ष 2021 से अब तक 1 हजार 962 यात्रियों ने इस तरह की दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाई है, जबकि 324 लोग घायल हुए हैं। इन हादसों के लिए आम यात्रियों के साथ कहीं न कहीं रेल प्रशासन भी जिम्मेदार है। कई स्टेशनों पर तो ट्रैक पासिंग रोकने के उपाय ही नहीं किए गए हैं। 2021 में एक हजार 114 लोगों की मौत हुई थी और 176 लोग घायल हुए थे। 2022 में 848 लोगों की मौत हुई और 148 लोग घायल हुए। मुंबई और उपनगरों में कई स्टेशनों पर एफओबी ही कम पड़ रहे हैं ट्रैक क्रॉसिंग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए, मुंबई रेलवे विकास निगम ने मध्य और पश्चिमी लाइनों के 15 स्टेशनों पर 17 फुटब्रिज बनाने का निर्णय लिया है। इन पुलों का निर्माण अगस्त 2023 तक किया जाएगा। इनमें से 13 पुल मध्य रेलवे पर बनाए जाएंगे, चार पुल पश्चिम रेलवे पर बनाए जाएंगे। इन दुर्घटनाओं को रोकने स्टेशन और दो स्टेशनों के बीच पैदल पुल, फुटपाथ, सबवे उपलब्ध कराने की योजना है। एमआरवीसी ने पिछले वर्षों में मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे पर कुल 14 फुटब्रिज का निर्माण किया है। ट्रैक पार करने की ज्यादातर घटनाएं बोरीवली, अंधेरी, वसई, विरार, मध्य रेलवे के कुर्ला, ठाणे, दिवा, कल्याण और अन्य उपनगरीय स्टेशनों पर होती हैं। इनमें बड़ी संख्या में पुरुष यात्रियों का समावेश है। यात्री भी लापरवाही से अपनी जान जोखिम में डालकर ट्रैक पार कर रहे हैं। ठाणे-दिवा-पांचवें-छठे लाइन पर नए 6 एफओबी, दो पैदल पुलों का निर्माण हार्बर पर अंधेरी को गोरेगांव तक विस्तारित करते हुए किया गया है। दो स्टेशनों के बीच ट्रैक क्रॉसिंग की संख्या अधिक है। ऐसे स्टेशनों को खोजने और दो पटरियों के बीच बाड़ लगाने, पटरियों के किनारे सुरक्षात्मक दीवार बनाने, एफओबी ानाने के उपाय किए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में शख्स ने रिपेयर के लिए दिया था अपना मोबाइल...

अकाउंट से उड़ गए लाखों रुपये...!

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र से एक बेहद ही चौंका देने वाली घटना सामने आई है। मोबाइल में जब किसी प्रकार की खराबी आती है तो हम उसे दूकान पर रिपेरिंग के लिए देते हैं। ताकि उसे ठीक किया जा सके। आज हम आपको एक ऐसे शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसे अपना मोबाइल रिपेयर करवाना इतना महंगा पड़ गया है की उसे 2 लाख का चुना लग गया। दरअसल, यह घटना महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से सामने है। जहां पर 40 वर्षीय कदम नाम के एक शख्स ने मोबाइल को ठीक कराने के लिए रिपेयरिंग स्टोर पर दिया था। फोन स्टोर पर देने के दौरान स्टोर के कर्मचारी ने कदम को उनका सिम कार्ड फोन के अंदर ही छोड़ कर जाने को कहा। इसके बाद जब वो अगले दिन अपना फोन लेने गया तो दुकान बंद थी। इसके बाद वो फिर जब दूकान

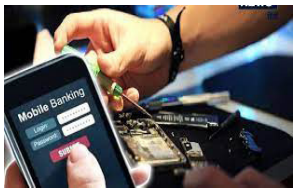

पर पहुंचा तो कदम ने अपना फोन सिम कार्ड मांगा मगर कर्मचारी ने कुछ बहाना बना दिया ।

इसके बाद जब उसे कुछ गड़बड़ी का अंदेशा हुआ और उसने अपना बैंक अकाउंट लॉग इन किया तो उसके पैरों तले से जमीन खिसक गई। आपको बता दें कि कदम के एफडी को तोड़कर 2 लाख 20 हजार रुपए किसी अन्य खाते में ट्रांसफर हो चुके हैं। घटना के सामने आने के बाद कदम ने इस बारे में पुलिस से संपर्क किया और मुकदमा दर्ज करवाया है। फिलहाल, पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है।

'लड़की को आइटम कहना यौन शोषण से कम नहीं'...!

मुंबई की अदालत ने परेशान करने पर पड़ोसी को भेजा जेल

मुंबई : मुंबई की एक विशेष पोक्सो अदालत ने हाल के एक आदेश में एक नाबालिग छात्रा के यौन उत्पीड़न के मामले में एक व्यक्ति को 1.5 साल जेल की सजा सुनाई और कहा कि लड़की को ''आइटम'' के रूप में संबोधित करना केवल उसे यौन इरादे से ऑब्जेक्टिफाई करने के लिए किया जाता है। लड़की के पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति पर ये आरोप लगा था कि 2015 में जब पीड़िता 16 साल की थी, तब वह उसे स्कूल जाने के दौरान छेड़ता था। 14 जुलाई 2015 को जब पीड़िता स्कूल से लौट रही थी तो आरोपी ने उसे रोका और उससे पूछा, ''क्या आइटम किधर जा रही हो? जब लड़की ने उसे ऐसा करने से मना किया उस शख्स ने उसे गाली देना शुरू कर दिया और उसके बाल खींच लिए। इसके बाद लड़की ने पुलिस हेल्पलाइन नंबर 100 पर कॉल कर मदद मांगी। पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन आरोपी वहां से भाग चुका था। लड़की ने घर जाकर अपने पिता को इस घटना के बारे में बताया जिसके बाद शहर के पश्चिमी उपनगर के पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई। आरोपी पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 (यौन उत्पीड़न), धारा 354 (डी) (पीछा करना) 506 (आपराधिक धमकी), और धारा 504 (जानबूझकर अपमान) और बच्चों के संरक्षण के प्रासंगिक आरोपों के तहत मामला दर्ज किया गया था।

पति की मानहानि, बिना सबूत 'व्याभिचारी और शराबी' कहना क्रूरता के समान...

मुंबई : बंबई उच्च न्यायालय ने एक मामले में कहा कि पति की मानहानि, उसे बिना सबूत व्याभिचारी और शराबी कहना क्रूरता के समान है। इसके साथ ही अदालत ने पुणे के दंपति के विवाह विच्छेद के परिवार अदालत के आदेश को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति नितिन जामदार और न्यायमूर्ति शर्मिला देशमुख की खंडपीड ने यह आदेश 50 वर्षीय महिला की अपील को खारिज करते हुए 12 अक्टूबर को सुनाया। महिला याचिकाकर्ता ने पुणे की परिवार अदालत द्वारा नवंबर 2005 में दिए गए फैसले को चुनौती दी थी जिसमें उसके और उसके पति के विवाह संबंध के विच्छेद की अनुमति दी गई थी। महिला का पति सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी था जिसकी उच्च न्यायालय में सुनवाई लंबित रहने के दौरान मौत हो गई थी। इसके बाद अदालत ने उसके कानूनी उत्तराधिकारी को मामले में प्रतिवादी के तौर पर शामिल करने का निर्देश दिया। महिला ने अपनी अपील में दावा किया था कि उसका पति व्याभिचारी और शराबी है जिसकी वजह से वह अपने वैवाहिक अधिकारों से वंचित थी। पीठ ने इस पर कहा कि पत्नी ने पति के चरित्र के खिलाफ अवांछित और झूठा आरोप लगाया जिससे समाज में उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा और यह क्रूरता के समान है।

उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में रेखांकित किया कि महिला ने अपने बयान के अलावा आरोपों के पक्ष में विश्वसनीय सबूत पेश नहीं किया। मृतक के वकील ने अदालत में कहा कि याचिकाकर्ता महिला ने अपने पति पर झूठे और मानहानिकारक आरोप लगाकर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। उच्च न्यायालय ने परिवार अदालत के समक्ष पति द्वारा दिए गए बयान का उल्लेख किया जिसमें उसने दावा किया था कि पत्नी ने उसे उसके बच्चों और पोते-पोतियों से अलग कर दिया है।

मुठभेड़ में गिरफ्तार बदमाश का साथी मुंबई में छिपा है, पुलिस को मिला क्लू...!

मुंबई : यागराज जिले में गंगापार स्थित श्रृंगवेरपुर स्थित हाईवे के पास करीब दो सप्ताह पहले पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश को गिरफ्तार किया था, जबकि उसका साथी फरार हो गया था। उसकी तलाश में पुलिस ने जगह-जगह छापेमारी की लेकिन वह हाथ नहीं लगा। अब पुलिस को पता चल रहा है कि वह मुंबई भाग निकला है। वहां उसका कोई करीबी वहां रहता है। नवाबगंज पुलिस, एसओजी टीम पर बदमाशों ने फायर किया था : नवाबगंज पुलिस और एसओजी टीम श्रृंगवेरपुर स्थित हाईवे के पास करीब दो सप्ताह पहले वाहनों की जांच पड़ताल कर रही थी।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com